नवरात्रे माँ का नवरात्रे

झूमे श्रदा से मन आ गाये नवराते माँ के नवराते
मुरादे और मन्नते पूरी करने सभी शेरावाली संग लेके आ गये,
नवरात्रे माँ का नवरात्रे

जब जो माँगा हम को मिला है नव नो दुर्गा से,
बीच भवर थी नाव निकाली
शकती रूपा जगदम्बा ने
भव से पार है लगाने आ गये,
नवरात्रे माँ का नवरात्रे

शपत शती का पाठ करेगे माँ से मन की बात करेगे
चिंता नही चिंतन ही करेगे गंगा सवरूप की धार संग बहेगे
अमृत भी बिगाने आ गए
नवरात्रे माँ का नवरात्रे

गनपत भेरो हनुमत के संग मात निराली अन धन देगी
ज्योत परशादियाँ पवन रूप में माँ संजीव् को दर्शन देगी
गाओ भेटे भजन आ गाये
नवरात्रे माँ का नवरात्रे

Source: https://www.bharattemples.com/navratre-maa-ke-navratre/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw